₹ 30/-

साहित्य अमृत

RNI No. 62112/95

मई 2026 • साहित्य एवं संस्कृति का संवाहक • मासिक • पृष्ठ 84 • ISSN 2455-1171

Scanned with OKEN Scanner

साहित्य अमृत

वैशाख-ज्येष्ठ संवत्-२०८३ ❖ मई २०२६ मासिक

वर्ष-३१ ❖ अंक-१० ❖ पृष्ठ ८४ RNI No. 62112/95 ISSN 2455-1171

संस्थापक संपादक
पं. विद्यानिवास मिश्र

निवर्तमान संपादक
डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी
श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी

संस्थापक संपादक (प्रबंध)
श्री श्यामसुंदर

प्रबंध संपादक
पीयूष कुमार

संपादक
लक्ष्मी शंकर वाजपेयी

संयुक्त संपादक
डॉ. हेमंत कुकरेती

उप संपादक
उर्वशी अग्रवाल 'उर्वी'

कार्यालय
४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-०२
फोन : ०११-२३२८९७७७
०८४४८६१२२६९
इ-मेल : sahityaamrit@gmail.com

शुल्क
एक अंक—₹ ३०
वार्षिक (व्यक्तियों के लिए)—₹ ३००
वार्षिक (संस्थाओं/पुस्तकालयों के लिए)—₹ ४००
विदेश में
एक अंक—चार यू.एस. डॉलर (US$4)
वार्षिक—पैंतालीस यू.एस. डॉलर (US$45)

साहित्य अमृत के बैंक खाते का विवरण
बैंक ऑफ इंडिया
खाता सं. : 600120110001052
IFSC : BKID0006001

प्रकाशक, मुद्रक तथा स्वत्वाधिकारी पीयूष कुमार द्वारा ४/१९, आसफ अली रोड, नई दिल्ली-२ से प्रकाशित एवं न्यू प्रिंट इंडिया प्रा.लि., ८/४-बी, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया, साइट-IV, गाजियाबाद-२०१०१० द्वारा मुद्रित।

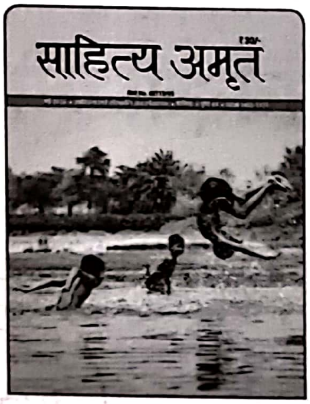

इस अंक में

✍ संपादकीय
इस संवेदना को नमन ४
✍ प्रबंध संपादकीय
साहित्य की नई क्रांति : सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स द्वारा लिखी गई पुस्तकों का बाजार ६
✍ प्रतिस्मृति
छूटा हुआ कुछ/से.रा. यात्री ८
✍ कहानी
बंदोबस्त/सुषमा मुनींद्र १२
सूखी नदी/भरत चंद्र शर्मा २०
जीर्णोद्धार/तुलसी देवी तिवारी ३०
मन की मंजिल/आयुषी आर्य ३९
माई/दिलीप कुमार शर्मा 'अज्ञात' ४२
चेहरे पर चेहरा/सुधा जुगरान ५४
✍ लघुकथा
व्हाट्सएप्प कितना उपयोगी ?/पुष्पा खरे १७
मित्र की सीख/दिनेश विजयवर्गीय ४५
पत्नी की बेरुखी/दिनेश विजयवर्गीय ६६
✍ आलेख
लोकमान्य तिलक और गीता रहस्य/ऊषा निगम १८
हिंदी पत्रकारिता के बलिदानी पुरुष गणेश शंकर विद्यार्थी/शिवचरण चौहान २६
डायरी लिखना भी एक मिराक है/कुबेर कुमावत ३४
रीतिकालीन साहित्य में राष्ट्र-जागरण का भाव/श्रुति रंजना मिश्रा ५८
✍ कविता
गरमी आई गरमी आई/निखिल कुमार मीणा ११
समसामयिक दोहे/रामनिवास 'मानव' २५
मानव से अच्छे चौपाए/रामवीर २८
तीन कविताएँ/लता कादंबरी गोयल २९
दो कविताएँ/भोलानाथ कुशवाह ३२
आठ कविताएँ/ज्योतिकृष्ण वर्मा ३३
भाव की भूमि हो उर्वरा/मणि अग्रवाल 'मणिका' ४९
पाँच गजलें/ओमप्रकाश प्रजापति ५३
बंद करो यह विनाशलीला/रेखा शाह आरबी ६७
वे जवानी के सुनहरे दिन/अमर देव आंगिरस ७५
✍ व्यंग्य
बंसी बाबू जमानतदार/शशिकांत सिंह 'शशि' ४०
गैस की समस्या/अमन चक्र ६८
✍ रिपोर्त्ताज
कर्जन पुल/श्रीकांत उपाध्याय ४४
✍ साहित्य का भारतीय परिपार्श्व
वड्र्सवर्थ, वसुधा व वर्षा/जिज्ञा वोहरा ४६
✍ एकांकी
सेर पर सवा सेर/सुनील गज्जाणी ५०
✍ साहित्य का विश्व परिपार्श्व
एक माँ की कहानी/हंस किचन ऐंडरसन ६१
✍ ललित-निबंध
देखत ही छिप जाएगा'''/वंदना मुकेश ६४
✍ यात्रा-वृत्तांत
टीपेश्वर अभयारण्य : रोमांचक सफारी/ममता मेहता ७०
✍ बाल-संसार
ओझा/हरदेव सिंह धीमान् ७४
✍ लोक-साहित्य
हरियाणवी लोक-साहित्य में पं. लखमीचंद/प्रिया लथवाल ७६
✍ पाठकों की प्रतिक्रियाएँ ७९
✍ वर्ग-पहेली ८०
✍ साहित्यिक गतिविधियाँ ८१

साहित्य अमृत में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक अथवा प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

Scanned with OKEN Scanner